पंजाब केसरी 31/03/2023

'भारत के निर्माण में महात्मा गांधी की भूमिका' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

कई राज्यों के शोधार्थियों ने लिया हिस्सा

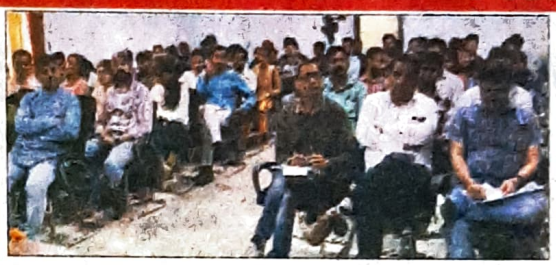

मुख्य वक्ता को सम्मानित करते कॉलेज के शिक्षक व सैमीनार में पहुंचे शिक्षक व शोधार्थी व कालेज में सेमीनार के दौरान मुख्य वक्ता प्रो. अमरजीत सिंह महात्मा गांधी विषय पर जानकारी देते हुए। (चंद्रमोहन)

अम्बाला छावनी, 30 मार्च (कोचर): कैंट के जी.एम.एन. कालेज में इतिहास विभाग एवं गांधी स्टडी सैंटर द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जोकि उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा द्वारा स्पॉन्सर्ड की गई। इस संगोष्ठी का विषय 'भारत के निर्माण में महात्मा गांधी की भूमिका' था।

संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर भारत के जाने-माने इतिहासकार एवं प्रो. इतिहास विभाग व भूतपूर्व डीन, सोशल साइंसेज, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र से प्रो.अमरजीत सिंह ने शिरकत की। समापन भाषण पर प्रो. जसपाल कौर, प्रो. ऑफ हिस्ट्री डिपार्टमैंट ऑफ हिस्ट्री पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला उपस्थित रही।

कार्यक्रम का संचालन डा. अनुपमा सिहाग और डा. अमित कुमार द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी के संयोजक डा. धर्मवीर सैनी अध्यक्ष इतिहास विभाग एवं इंचार्ज गांधी स्टडी सैंटर जी.एम.एन. कालेज रहे। डा. धर्मवीर सैनी ने सैमीनार की थीम को प्रस्तुत किया।

सैमीनार के समन्वयक डा. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों मुख्यातिथियों ने महात्मा गांधी पर काफी बारीकी से शोध किया है। कार्यक्रम की शुरुआत में कालेज प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कहा कि महात्मा गांधी भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के ही मुख्य नेता नहीं थे बल्कि उनकी प्रेरणा से ही दुनिया में अंग्रेजी राज के खिलाफ चल रहे आंदोलनों को प्रेरणा मिली थी।

अंग्रेजी हुकूमत की जड़ों को हिलाया

मुख्य वक्ता वरिष्ठ प्रो. अमरजीत सिंह ने बताया कि महात्मा गांधी भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के एक ऐसे नेता थे, जिन्होंने बिना किसी हथियार एवं बंदूक आदि के ब्रिटिश राज की जड़ों को पूरी तरह से हिला दिया था। जिसका विश्व में कभी सूरज अस्त नहीं होता था।

इन साधनों को राष्ट्रीय आंदोलन में अपनाया उसके परिणाम स्वरूप आंदोलन को एक नई दिशा मिली और आंदोलन अपने चरम पर पहुंच गया।

गांधी ने अहिंसात्मक साधनों के जरिए आंदोलन को सफल बनाया

संगोष्ठी के मध्यस्थ सत्र की अध्यक्षता डा. अतुल यादव, एसोसिएट प्रोफैसर राजकीय महाविद्यालय अम्बाला छावनी और डा. सुमन सिवाच असिस्टैंट प्रो. इतिहास विभाग आई.जी.एन. कालेज लाडवा कुरुक्षेत्र ने की। इस सत्र में डा. अतुल यादव ने कहा कि महात्मा गांधी एक ऐसे भारतीय नेता थे, जिन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन को अहिंसात्मक साधनों के माध्यम से चलाकर सफल बनाया।

उनका यह मानना था कि जब तक आंदोलन में जन भागीदारी नहीं होगी तब तक भारतीयों को आजादी प्राप्त नहीं हो सकती इसलिए वह राष्ट्रीय आंदोलन में हर वर्ग की भागीदारी को सुनिश्चित करते चलते थे।

जैसे 1930 के सविनय अवज्ञा आंदोलन और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में तो सभी वर्गों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए ब्रिटिश भारत सरकार की जड़ों को पूरी तरह से खोखला कर दिया था।

कई राज्यों के शोधार्थी विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

इस सैमीनार में हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बंगाल, असम, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थानों में कार्यरत प्राध्यापक शोधार्थी व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। स्थानीय शोधार्थियों को छोड़ अन्य ने ऑनलाइन के जरिए इसमें हिस्सा लिया।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की एम.फिल. पास शोधार्थी छात्रा सविता कोचर ने 'आधुनिक सामाजिक भारत के निर्माण में महात्मा गांधी की भूमिका' पर लिखित में अपनी प्रैजैंटेशन दी। सैमीनार में डा. राकेश कुमार, डा. सरोज, डा. रितु गुप्ता, डा. कुलदीप यादव सहित अन्य भी मौजूद रहे।